सतलज-यमुना लिंक (SYL) नहर पर विवाद

प्रीलिम्स के लिये:

सिंधु जल संधि, रावी और ब्यास, अनुच्छेद 143, सतलज नदी, यमुना नदी।

मेन्स के लिये:

सतलज यमुना लिंक नहर, अंतर्राज्यीय नदी जल से संबंधित मुद्दों पर विवाद।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा विधानसभा द्वारा सतलज-यमुना लिंक (Sutlej Yamuna Link- SYL) नहर को पूरा करने की मांग को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया है।

- इसके पूरा हो जाने के बाद यह नहर हरियाणा और पंजाब के बीच रावी और ब्यास नदियों के पानी को साझा करने में सक्षम होगी।
- प्रस्तावित सतलज-यमुना लिंक नहर 214 किलोमीटर लंबी नहर है जो सतलज और यमुना नदियों को जोड़ती है।
- जल संसाधन राज्य सूची के अंतर्गत आते हैं, जबकि संसद को संघ सूची के तहत अंतर्राज्यीय नदियों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है।

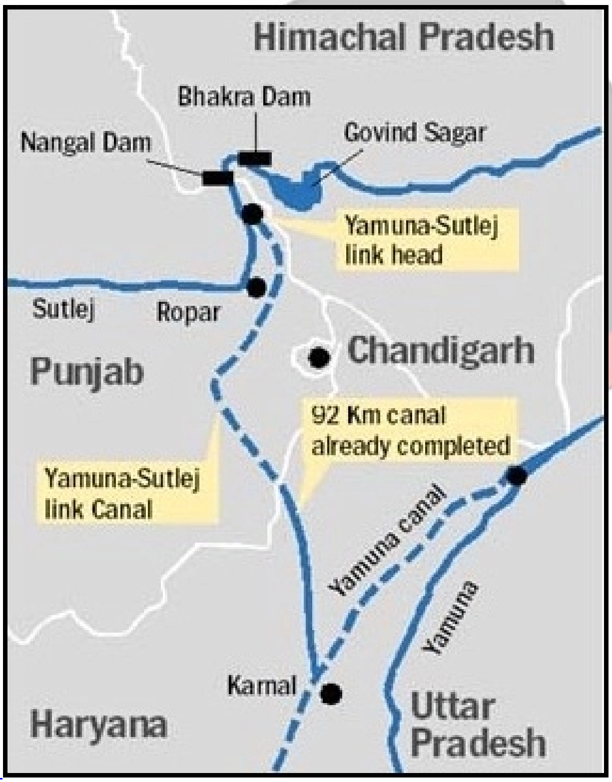

//

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि:

- **वर्ष 1960:** ववािद की उत्पत्तत भिारत और पाकसि्तान के बीच हुए सधिु जल संधमिें देखी जा सकती है, जसिमें रावी, ब्यास और सतलज के पूर्व में 'मुक्त और अप्रतबिंधति उपयोग' (Free And Unrestricted Use) की अनुमतदिी गई थी।
- **वर्ष 1966:** पुराने (अवभिाजति) पंजाब से नरि्मति हरयिाणा को नदी के पानी का हसि्सा देने की समस्या उभरकर सामने आई।
  - सतलज और उसकी सहायक ब्यास नदी के जल का हसि्सा हरयिाणा को देने के लयि सतलज को यमुना से जोड़ने वाली एक नहर (एसवाईएल नहर) की योजना बनाई गई थी।
  - पंजाब ने यह कहते हुए हरयिाणा के साथ पानी साझा करने से इनकार कर दयिा कयिह रपिरयिन सद्धिांत (Riparian Principle) के खलिाफ है जसिके अनुसार, नदी के पानी पर केवल उस राज्य और देश या राज्यों और देशों का अधकिार होता है जहाँ से नदी बहती है।
- **वर्ष 1981:** दोनों राज्य पानी के पुन: आवंटन हेतु परस्पर सहमत हुए।
- **वर्ष 1982:** पंजाब के कपूरी गाँव में 214 कलिोमीटर लंबी सतलज-यमुना लकि नहर (SYL) का नरि्माण शुरू कयिा गया।
  - राज्य में आतंकवाद का माहौल बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बनाने के वरिोध में आंदोलन, वरिोध प्रदर्शन हुए तथा हत्याएँ की गईं।
- **वर्ष 1885:**
  - प्रधानमंत्री राजीव गांधी और तत्कालीन अकाली दल के प्रमुख संत ने पानी का आकलन करने हेतु एक नए न्यायाधकिरण के लयि सहमतव्यिक्त की।
  - पानी की उपलब्धता और बँटवारे के पुनर्मूल्यांकन हेतु सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी बालकृष्ण एराडी (V Balakrishna Eradi) की अध्यक्षता में ट्रबियूनल की स्थापना की गई थी।
  - वर्ष 1987 में ट्रबियूनल ने पंजाब और हरयिाणा को आवंटति पानी में क्रमशः 5 एमएएफ और 3.83 एमएएफ तक की वृद्धकिी सफिारशि की।
- **वर्ष 1996:** हरयिाणा ने SYL का काम पूरा करने के लयि पंजाब को नरि्देश देने हेतु सर्वोच्च न्यायालय का रुख कयिा।
- **वर्ष 2002 और वर्ष 2004:** सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब को अपने क्षेत्र में SYL के काम को पूरा करने का नरि्देश दयिा।
- **वर्ष 2004:** पंजाब वधिानसभा ने **पंजाब टर्मनिशन ऑफ एग्रीमेंट्स अधनियिम** पारति कयिा, इसके माध्यम से जल-साझाकरण समझौतों को समाप्त कर दयिा गया और इस तरह पंजाब में SYL का नरि्माण अधर में रह गया।
- **वर्ष 2016:** सर्वोच्च न्यायालय ने 2004 के अधनियिम की वैधता पर नरि्णय लेने के लयि राष्ट्रपतकिे संदर्भ (**अनुच्छेद 143**) पर सुनवाई शुरू की और यह माना क**िपंजाब नदियों के जल को साझा करने के अपने वादे से पीछे** हट गया है। इस प्रकार **अधनियिम को संवैधानकि रूप से अमान्य घोषति** कर दयिा गया था।
- **वर्ष 2020:**
  - **सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रयिों को SYL नहर के मुद्दे पर उच्चतम राजनीतकि स्तर पर केंद्र सरकार की मध्यस्थता के माध्यम से बातचीत करने** और मामले को नपिटाने का नरि्देश दयिा।
  - पंजाब ने जल की उपलब्धता के नए समयबद्ध आकलन हेतु एक न्यायाधकिरण की मांग की है।
    - पंजाब का मानना है कआिज तक राज्य में नदी जल का कोई अधनिरि्णय या वैज्ञानकि मूल्यांकन नहीं हुआ है।
    - **रावी-ब्यास जल की उपलब्धता भी 1981 के अनुमानति 17.17 MAF (मलियिन एकड़ फुट) से घटकर 2013 में 13.38 MAF** हो गई है। एक नया न्यायाधकिरण इन सभी की जाँच सुनश्चिति करेगा।

पंजाब और हरयिाणा राज्यों के तर्क:

- **पंजाब:**
  - वर्ष 2029 के बाद पंजाब के कई क्षेत्रों में जल समाप्त हो सकता है और सचिाई के लयि राज्य पहले ही अपने भूजल का अत्यधकि दोहन कर चुका है क्योंकगिेहूँ और धान की खेती करके यह केंद्र सरकार को हर साल लगभग 70,000 करोड़ रुपए मूल्य का अन्न भंडार उपलब्ध कराता है।
    - राज्य के लगभग 79% क्षेत्र में पानी का अत्यधकि दोहन है और ऐसे में सरकार का कहना है ककिसिी अन्य राज्य के साथ पानी साझा करना असंभव है।
- **हरयिाणा:**
  - हरयिाणा का तर्क है करिाज्य में सचिाई के लयि जल उपलब्ध कराना कठनि है और हरयिाणा के दक्षणिी हसि्सों में पीने के पानी की समस्या है जहाँ भूजल 1,700 फीट तक कम हो गया है।
  - हरयिाणा केंद्रीय खाद्य पूल (Central Food Pool) में अपने योगदान का हवाला देता रहा है और तर्क दे रहा है कएिक न्यायाधकिरण द्वारा कयि गए मूल्यांकन के अनुसार उसे पानी में उसके उचति हसि्से से वंचति कयिा जा रहा है।

सतलज और यमुना नदी की मुख्य वशिेषताएँ:

- **सतलज:**
  - सतलज नदी का प्राचीन नाम जराद्रोस (प्राचीन यूनानी) शुतुद्री या शतद्रु (संस्कृत) है।
  - यह सधिु नदी की पाँच सहायक नदयिों में सबसे लंबी है, जो पंजाब (जसिका अर्थ है "पाँच नदयिाँ") को अपना नाम देती है।
    - झेलम, चनिाब, रावी, ब्यास और सतलज, सधिु की मुख्य सहायक नदयिाँ हैं।
  - इसका उद्गम दक्षणि-पश्चमिी तबि्बत की 'लंगा झील' में हमिालय के उत्तरी ढलान पर होता है।
    - सर्वप्रथम यह हमिाचल प्रदेश में प्रवेश करती है और फरि हमिालय की घाटयिों के माध्यम से उत्तर-पश्चमि की ओर तथा बाद में पश्चमि-दक्षणि-पश्चमि की ओर बहते हुए, यह नंगल के पास पंजाब के मैदान के माध्यम से प्रवाहति होती है।
    - एक वसि्तृत चैनल के माध्यम से दक्षणि-पश्चमि की ओर बढ़ते हुए यह ब्यास नदी में मलिती है और पाकसि्तान में प्रवेश करने से पहले भारत-पाकसि्तान सीमा पर 65 मील तक प्रवाहति होती है, इस प्रकार अंततः बहावलपुर के पश्चमि में चनिाब नदी में शामलि होने के साथ 220 मील की दूरी तय करती है।
      - सतलज नदी पाकसि्तान में प्रवेश करने से पहले फरिोज़पुर ज़लिे के हरकिे में ब्यास नदी में मलिती है।

- संयुक्त नदियाँ तब पंजनाद बनाती हैं, जो पाँच नदियों और सिंधु के बीच की कड़ी है।

◦ **लुहरी चरण-I जल विद्युत परियोजना** हिमाचल प्रदेश के शिमला और कुल्लू ज़िलों में सतलज नदी पर स्थित है।

- **यमुना:**
  - **उद्गम:** यह गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है जो उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में समुद्र तल से लगभग 6387 मीटर की ऊँचाई पर निम्न हिमालय की मसूरी रेंज से बंदरपूँछ चोटियों (Bandarpoonch Peaks) के पास यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।
  - **बेसिन:** यह उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली होकर बहने के बाद प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में संगम (जहाँ **कुंभ मेला** आयोजित किया जाता है) में गंगा नदी से मिलती है।
  - **लंबाई:** 1376 किमी.
  - **महत्त्वपूर्ण बाँध:** लखवाड़-व्यासी बाँध (उत्तराखंड), ताज़ेवाला बैराज बाँध (हरियाणा) आदि।
  - **महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ:** चंबल, सिंध, **बेतवा और केन**।

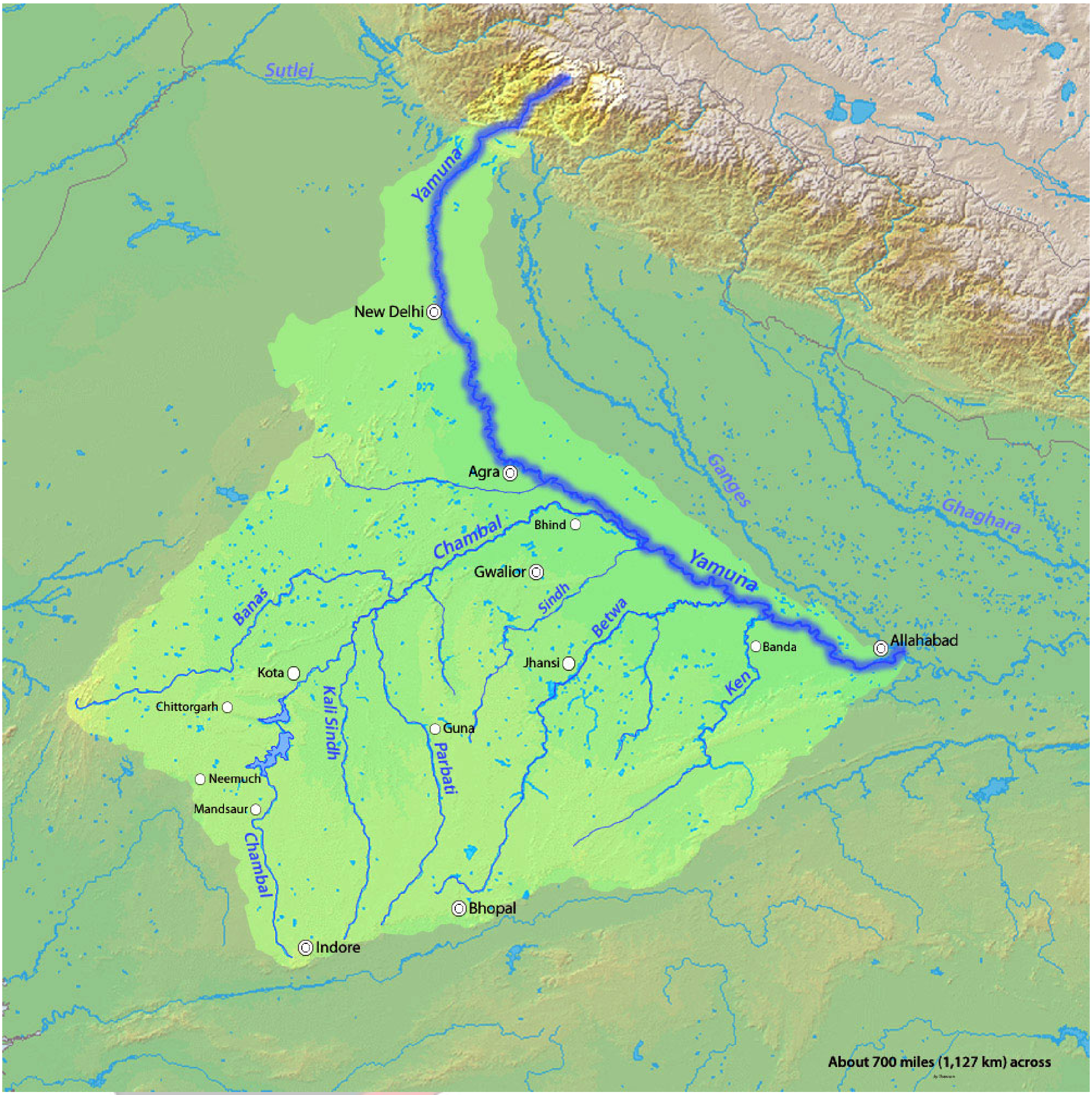
Sutlej
Yamuna
New Delhi
Agra
Ganges
Ghaghara
Bhind
Chambal
Gwalior
Yamuna
Sindh
Banas
Betwa
Allahabad
Banda
Jhansi
Kota
Ken
Chittorgarh
Kali Sindh
Guna
Parbati
Neemuch
Mandsaur
Chambal
Bhopal
Indore
About 700 miles (1,127 km) across

आगे की राह

- न्यायाधिकरण के निर्णय पर सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार के साथ एक स्थायी न्यायाधिकरण स्थापित करके जल विवादों को हल या संतुलित किया जा सकता है।
- किसी भी संवैधानिक सरकार का तात्कालिक लक्ष्य **अनुच्छेद-262** में संशोधन (अंतर-राज्यीय नदियों या नदी घाटियों के जल से संबंधित विवादों का न्यायनिर्णयन) और अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम में संशोधन एवं समान रूप से इसका कार्यान्वयन होना चाहिये।

विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. सिंधु नदी प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित चार नदियों में से तीन उनमें से एक में मिलती हैं, जो अंततः सीधे सिंधु में मिलती हैं। निम्नलिखित में से कौन सी ऐसी नदी है जो सीधे सिंधु से मिलती है?

(a) चिनाब
(b) झेलम
(c) रावी
(d) सतलज

उत्तर: (d)

- झेलम पाकिस्तान में झांग के पास चिनाब में मिलती है।
- रावी सराय सिद्धू के निकट चिनाब में मिल जाती है।
- सतलज पाकिस्तान में चिनाब में मिलती है। इस प्रकार सतलज को रावी, चिनाब और झेलम नदियों की सामूहिक जल निकासी प्राप्त होती है। यह मिथनकोट से कुछ किलोमीटर ऊपर सिंधु नदी से मिलती है।

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2014)

आर्द्रभूमि	**नदियों का संगम**
1. हरिके आर्द्रभूमि	: ब्यास और सतलज का संगम
2. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	: बनास और चंबल का संगम
3. कोलेरू झील	: मूसी और कृष्णा का संगम

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

- हरिके उत्तरी भारत की सबसे बड़ी मानव निर्मित आर्द्रभूमि में से एक है। सतलज और ब्यास नदियों के संगम के पास बैराज के निर्माण के बाद वर्ष 1952 में यह अस्तित्व में आई।
- वर्ष 1990 में रामसर कन्वेंशन के तहत इसे आर्द्रभूमि का दर्जा दिया गया था।
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के भरतपुर ज़िले में गंभीर और बाणगंगा नदियों के संगम पर स्थित है।
- कोलेरू झील कृष्णा और गोदावरी डेल्टा के बीच स्थित है। कोलेरू दो ज़िलों में फैली है- कृष्णा और पश्चिम गोदावरी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dispute-over-sutlej-yamuna-link-canal